लूणी नदी हेतु विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के लिए बैठक का आयोजन दिनांक 2 मई 2019

लूणी नदी का वानिकी प्रयास (Intervention) के द्वारा पुनर्जीवन (Rejuvenation) हेतु विस्तृत पारियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के लिए, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून से प्राप्त प्रतिवेदन प्रस्ताव के संदर्भ में, दिनांक 2 मई 2019 को संस्थान के निदेशक श्री मानाराम बालोच, भा.व.से. की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों/ अधिकारियों/ सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारियों/ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों/ तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के प्रारम्भ में संस्थान के निदेशक श्री मानाराम बालोच ने विस्तृत परियोजना बनाने संबंधी प्रक्रिया एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून से प्राप्त निर्देशों की जानकारी दी। तत्पश्चात संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. इंद्रदेव आर्य ने विस्तृत परियोजना बनाने के संबंध में प्रकाश डाला । विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने लूणी नदी के संबंध में पावर-पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से लूणी नदी एवं इसकी सहायक नदियों के भौगोलिक क्षेत्र, नदियों में समय के साथ परिवर्तित हुए बहाव की स्थिति, इस क्षेत्र में आमजन से जुड़े इसके विभिन्न आयाम जैसे, भू-जलस्तर, कृषि इत्यादि में समय के साथ बदलाव की स्थिति, वानिकी कार्य, वानिकी कार्यों के मॉडल, भू-जलस्तर की स्थिति, संभावित उपायों इत्यादि से संबन्धित प्रारम्भिक एवं परिचयात्मक विवरण प्रस्तुत किया।

वैज्ञानिक - जी डॉ. जी सिंह ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से इस परियोजना के बनाने हेतु आवश्यक सुचनाओं, विभिन्न चरणों एवं प्रक्रिया से संबन्धित तकनीकी पहलुओं की विस्तृत तकनीकी व्याख्या की । में परस्पर संवाद के माध्यम से इस हेतु संस्थान द्वारा की जाने वाली प्रक्रिया पर विचार-विमर्श भी हुआ।

MAJOR RIVER SYSTEMS IN INDIA
1. INDUS RIVER SYSTEM
2. BRAHMPUTRA RIVER SYSTEM
3. GANGA RIVER SYSTEM
4. YAMUNA RIVER SYSTEM
5. NARMADA RIVER SYSTEM
6. TAPTI RIVER SYSTEM
7. GODAVARI RIVER SYSTEM
8. KRISHNA RIVER SYSTEM
9. KAVERY RIVER SYSTEM
10 MAHANADI RIVER SYSTEM
1. Yamuna
2. Godavari
3. Krishna
4. Narmada
5. Mahanadi
6. Kaveri
7. Brahmputra
8. Satlej
9. Luni